रणजीत टाइम्स
वर्ष : 1, अंक: 127 इंदौर, गुरुवार 15 मई 2025
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
DIGITAL EDITION

श्रद्धालुओं को 25 दिन करना होगा असुविधा का सामना

खजराना गणेश मंदिर जाने वाला प्रमुख मार्ग बंद, वैकल्पिक रास्ते से ही होगी आवाजाही

इंदौर। शहर के सबसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में शामिल खजराना गणेश मंदिर जाने वाले प्रमुख मार्ग को नगर निगम द्वारा 25 दिनों के लिए पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। खजराना चौराहे से मंदिर तक जाने वाली मुख्य सड़क पर अब भक्तों को आवाजाही की अनुमति नहीं होगी। इस मार्ग को बंद करने का निर्णय नगर निगम ने सर्विस रोड निर्माण के चलते लिया है, जिसके कारण अब श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग का सहारा लेना पड़ेगा। नगर निगम द्वारा जारी निर्देश के अनुसार खजराना चौराहे से गणेश मंदिर तक जाने वाले मार्ग को आज से बंद कर दिया गया है। इस मार्ग पर वर्षों से श्रद्धालु बड़ी संख्या में गणेशजी के दर्शन हेतु पहुंचते रहे हैं, लेकिन फिलहाल यह रास्ता 25 दिनों तक पूरी तरह से बंद रहेगा। नगर निगम का कहना है कि इस दौरान चौराहे से मंदिर की ओर जाने वाली सर्विस रोड का निर्माण कार्य किया जाएगा। इसी वजह से ट्रैफिक को पूरी तरह से रोका गया है और सभी श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे खजराना गांव के रास्ते से मंदिर पहुंचें।

क्षेत्रीय पार्षद पुष्पेंद्र पाटीदार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि खजराना फ्लाईओवर के निर्माण के साथ ही चारों ओर सर्विस रोड बनाने की योजना थी, जिसे इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) द्वारा पूरा किया जाना था। आईडीए ने नगर निगम को काफी समय पहले ही इसके लिए राशि भी प्रदान कर दी थी। लेकिन ड्रेनेज और जलापूर्ति लाइन की शिफ्टिंग में विलंब के कारण यह कार्य शुरू नहीं हो सका। अब जाकर वर्षों बाद सर्विस रोड निर्माण का काम आरंभ किया गया है, जिसके कारण मार्ग को बंद करना पड़ा है। इस निर्माण कार्य के चलते न सिर्फ श्रद्धालुओं को असुविधा होगी, बल्कि आसपास के स्थानीय दुकानदारों और रहवासियों को भी ट्रैफिक डायवर्जन का सामना करना पड़ेगा। नगर निगम ने कहा है कि निर्माण कार्य को निर्धारित समयसीमा में ही पूरा किया जाएगा और जल्द से जल्द श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मार्ग फिर से खोल दिया जाएगा। गौरतलब है कि खजराना गणेश मंदिर न सिर्फ इंदौर के लोगों के लिए आस्था का बड़ा केंद्र है, बल्कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु भी यहां दर्शन हेतु पहुंचते हैं। ऐसे में नगर निगम और प्रशासन की यह जिम्मेदारी बनती है कि वैकल्पिक मार्ग पर साफ-सफाई, ट्रैफिक व्यवस्था और संकेतों की समुचित व्यवस्था की जाए ताकि किसी भी श्रद्धालु को मार्ग में भटकना न पड़े या असुविधा का सामना न करना पड़े। नगर निगम का यह निर्णय आवश्यक निर्माण कार्यों की दृष्टि से उचित तो कहा जा सकता है, लेकिन श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था कितनी मजबूत है, इसका पता आगामी दिनों में ही चलेगा। फिलहाल भक्तों को खजराना गांव की ओर से मंदिर तक पहुंचना होगा और 25 दिनों तक मुख्य मार्ग से दूरी बनानी पड़ेगी।

सेना की महिला अधिकारी पर टिप्पणी से भड़की कांग्रेस, इंदौर में मंत्री विजय शाह का पुतला फूंका, इस्तीफे की मांग पर अड़ी महिला कांग्रेस

इंदौर। भारतीय सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए विवादास्पद बयान ने प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री विजय शाह को घोर राजनीतिक संकट में ला खड़ा किया है। उनके बयान को लेकर कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है और अब यह मामला केवल मध्य प्रदेश तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि दिल्ली तक की सियासत को प्रभावित कर चुका है। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तक ने इस बयान की निंदा करते हुए मंत्री को तत्काल पद से हटाने की मांग की है। इंदौर में सोमवार को इस पूरे विवाद ने और अधिक तूल पकड़ लिया, जब महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रीगल तिराहे पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए विजय शाह का पुतला फूंका। प्रदर्शन का नेतृत्व महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष सोनिला मिमरोट और शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत चड्ढा ने किया। उनके साथ मंच पर मंजु शर्मा, मोना बेथेरा, कविता शुक्ला, आशा मिमरोट, बादशाह मिमरोट, अरविंद विश्वकर्मा और पुष्पराज राठौर जैसे कार्यकर्ता भी मौजूद थे। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए मंत्री विजय शाह को पद से हटाने की मांग दोहराई और चेताया कि यदि सरकार ने मंत्री पर कोई सख्त कदम नहीं उठाया तो कांग्रेस इसे राज्यव्यापी आंदोलन में बदल देगी।

इस दौरान एक रोचक स्थिति उस समय उत्पन्न हुई जब पुलिस ने पुतला जलाने से रोकने की कोशिश की, लेकिन महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस की परवाह किए बिना पुतले पर पहले जमकर गुस्सा निकाला और फिर उसे जला दिया। सोनिला मिमरोट ने कहा कि सेना की महिला अधिकारी को आतंकवादी से जोड़ना न सिर्फ निंदनीय है बल्कि नारी गरिमा का घोर अपमान भी है। उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि यदि इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल करता है तो वह सिर्फ पद की गरिमा ही नहीं, पूरे देश की भावना को चोट पहुंचाता है। ऐसे व्यक्ति को मंत्री पद पर बने रहने का कोई नैतिक हक नहीं है। विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है क्योंकि मंत्री भले ही अपने बयान पर खेद जता चुके हों, लेकिन कांग्रेस इसे %माफी से आगे की बात% बता रही है। कांग्रेस नेताओं विवेक खंडेलवाल और गिरीश जोशी ने प्रेस वार्ता में इस टिप्पणी को भारतीय राजनीति के सबसे %घृणित और शर्मनाक% बयानों में एक करार दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री से साफ कहा कि यदि विजय शाह को तुरंत मंत्री पद से नहीं हटाया गया तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर आंदोलन को व्यापक रूप देगी। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि भाजपा सरकार और खुद मुख्यमंत्री इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं, जो यह दर्शाता है कि सरकार ऐसे बयानों को मौन समर्थन दे रही है। यह स्थिति उस समय और संवेदनशील हो जाती है जब यह बयान सेना और उसमें कार्यरत महिलाओं के आत्मसम्मान से जुड़ा हुआ हो।

कांग्रेस का कहना है कि विजय शाह का बयान न केवल कर्नल सोफिया कुरैशी का अपमान है, बल्कि यह उन सभी महिलाओं का भी अपमान है, जो देश की रक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर पुरुषों के साथ खड़ी हैं। इस अपमान के खिलाफ कांग्रेस महिला मोर्चा अब देश के अलग-अलग शहरों में भी विरोध प्रदर्शन करने की रणनीति बना चुका है।

इंदौर में बना 63वां ग्रीन कॉरिडोर, 85 वर्षीय महिला के अंगदान से दो महिलाओं को मिला नया जीवन, तीन घंटे में भोपाल से इंदौर पहुंची किडनी

इंदौर। मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर में रविवार को मानवता, सेवा और तकनीकी समन्वय का एक अभूतपूर्व उदाहरण सामने आया, जब 85 वर्षीय महिला के अंगदान से दो महिलाओं को जीवनदान मिला और इसके लिए प्रशासन ने इंदौर का 63वां ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया। यह ग्रीन कॉरिडोर एक तरफ परोपकार और संवेदनशीलता की मिसाल बना, तो दूसरी ओर प्रशासन, चिकित्सा टीम और ट्रैफिक पुलिस के तालमेल का उत्कृष्ट उदाहरण भी रहा। भोपाल निवासी स्वर्गीय श्रीमती जमुना मेंघवानी, जिनकी उम्र 85 वर्ष थी, को कुछ दिन पूर्व ब्रेन हेमरेज के कारण बंसल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकीय परीक्षणों के बाद उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया गया। ऐसे कठिन समय में, उनके पुत्र श्री विकास मेंघवानी ने अत्यंत संवेदनशीलता और मानव सेवा की भावना के साथ अंगदान की स्वीकृति दी, जिससे दो जरूरतमंद मरीजों को जीवन का उपहार मिल सका।

डॉक्टरों द्वारा किया गया पहला अप्निया टेस्ट शनिवार शाम 6 बजे और दूसरा रविवार सुबह 11ऽ17 पर संपन्न हुआ। इसके बाद दोनों किडनी अलग-अलग मरीजों को आवंटित की गईं। एक किडनी बंसल हॉस्पिटल में ही उपचाररत 49 वर्षीय रोगी को दी गई, जबकि दूसरी किडनी इंदौर के राजश्री अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती 54 वर्षीय महिला के लिए रवाना की गई, जिनका उपचार वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जय कृपलानी की देखरेख में हो रहा है। शाम 6ऽ30 बजे बंसल हॉस्पिटल से शुरू होकर इंदौर के राजश्री अपोलो हॉस्पिटल तक मात्र तीन घंटे में यह किडनी सुरक्षित पहुंचाई गई। इसके लिए भोपाल, देवास और इंदौर की ट्रैफिक पुलिस ने पूर्ण सहयोग से ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया, जिसमें न केवल ट्रैफिक को नियंत्रित किया गया, बल्कि समय की अत्यंत संजीदा चुनौती को भी सफलता से पार किया गया। यह पूरा अभियान केंद्र सरकार के अंगदान नीति (ह्रञ्जञ्जह्र) के दिशा-निर्देशों और राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की सतत निगरानी में संपन्न हुआ। रविवार शाम 6ऽ30 बजे भोपाल गांधी मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. कविता सिंह द्वारा अलर्ट जारी होने के बाद इंदौर संभाग आयुक्त श्री दीपक सिंह की निगरानी में संपूर्ण समन्वय शुरू हुआ। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता और इंदौर सोसाइटी फॉर ऑर्गन डोनेशन के सचिव डॉ. अरविंद घनघेरिया, सोटो मध्यप्रदेश के नोडल अधिकारी डॉ. मनीष पुरोहित, श्री शुभम वर्मा, श्रीमती निधि शर्मा, पूर्व डीन डॉ. संजय दीक्षित, अपोलो हॉस्पिटल के ऑर्गन ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर डॉ. संजय जैन और बंसल हॉस्पिटल भोपाल की नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. हर्षिता शर्मा ने अत्यंत संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से कार्य किया। इस पूरी प्रक्रिया में मुस्कान ग्रुप के सेवाभावी सदस्य जीतू बगानी और संदीपन आर्य ने भी महत्वपूर्ण समन्वय सेवा प्रदान की। इस ग्रीन कॉरिडोर और अंगदान की सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यदि परिजन सेवा की भावना से प्रेरित हों और प्रशासन तत्पर हो, तो अंगदान जैसे कार्य न केवल जीवन बचा सकते हैं बल्कि समाज को नई दिशा भी दे सकते हैं। इंदौर का यह 63वां ग्रीन कॉरिडोर आने वाले समय में अंगदान के लिए प्रेरणा बनकर उभरेगा।

JG स्कूल महू के आदेश पंवार ने CBSE 12वीं में प्राप्त किए 95% अंक

माता-पिता का नाम किया रोशन स्व. एडवोकेट संतोष पंवार व माता श्रीमती देवकन्या पंवार के सुपुत्र की ऐतिहासिक सफलता

रणजीत टाइम्स |महू|

महू: JG स्कूल, महू के मेधावी छात्र आदेश पंवार ने CBSE 12वीं बोर्ड परीक्षा में 94.6% अंक प्राप्त कर न केवल अपने विद्यालय, बल्कि समस्त महू क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। स्वर्गीय एडवोकेट श्री संतोष पंवार और माता श्रीमती देवकन्या पंवार के पुत्र आदेश ने विपरीत परिस्थितियों में भी परिश्रम और लगन से यह कीर्तिमान स्थापित किया। उनकी इस सफलता पर स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों, परिवारजनों और शुभचिंतकों ने हर्ष जताया है। विद्यालय के प्राचार्य ने कहा, "आदेश शुरू से ही अनुशासित, प्रतिभाशाली और लक्ष्य के प्रति समर्पित छात्र रहा है। उसकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्वरूप है।" परिजनों ने कहा कि यह परिणाम आदेश की कठिन मेहनत और दिवंगत पिता के संस्कारों की छाया का प्रतिफल है। मां देवकन्या

पंवार ने इस मौके पर भावुक होकर कहा, "यह सिर्फ परीक्षा नहीं थी, यह मेरे बेटे का संघर्ष और पिता के सपनों को सच करने का सफर था।" रणजीत टाइम्स परिवार की ओर से आदेश पंवार को इस असाधारण उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं।

भाजपा नेत्री के बेटे की जमानत याचिका खारिज
13 दिन से पुलिस कर रही तलाश

रणजीत टाइम्स

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी भाजपा नेत्री व नगर पालिका अध्यक्ष के बेटे पर 27 साल की युवती ने दर्ज कराया है रेप का केस मध्यप्रदेश की शिवपुरी की नगर पालिका अध्यक्ष और भाजपा नेत्री गायत्री शर्मा के बेटे रजत शर्मा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज हो गई है। जिला कोर्ट में आरोपी रजत शर्मा ने अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी जिस पर सुनवाई के दौरान पीड़ित युवती ने भी कोर्ट में बयान दर्ज कराए थे और अपनी जान को खतरा बताया था। बता दें कि 27 साल की पीड़ित युवती ने रजत शर्मा पर रेप करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है।

भाजपा नेत्री के बेटे पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार शिवपुरी नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा के बेटे रजत शर्मा के खिलाफ 30 अप्रैल को एक 27 साल की युवती ने शिवपुरी में ही रेप की शिकायत दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में पीड़िता ने बताया था कि रजत शर्मा से उसकी दोस्ती कुछ साल पहले हुई थी। दोस्ती के बाद दोनो में प्रेम हुआ और फिर रजत ने उससे शादी करने का वादा किया और कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। अब रजत ने उससे शादी करने से मना कर दिया है और दूसरी युवती से शादी करने जा रहा है।

अग्रिम जमानत याचिका खारिज

30 अप्रैल को रेप की शिकायत दर्ज होने के बाद से आरोपी रजत शर्मा फरार है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। फरार रजत ने अपने वकील विजय तिवारी के माध्यम से 07 मई 2025 को न्यायालय में अग्रिम जमानत आवेदन दिया था, जिस पर 09 मई को सुनवाई हुई। इस दौरान पीड़िता स्वयं न्यायालय में हाजिर हुई और कहा कि आरोपित और उसके परिवार से मेरी जान को खतरा है। पीड़िता के वकील ने भी कई तर्क दिए जिसके बाद कोर्ट ने आरोपी रजत शर्मा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है।

विक्रेता द्वारा यदि ईकेवाईसी में लापरवाही करता है तो उसके विरुद्ध कार्यबाही की जावेगी- एसडीएम

एसडीएम ने संस्थाओं द्वारा संचालित 03 दुकानों को अन्य संस्थाओं को सौंपां

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी) खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय भोपाल तथा कलेक्टर खाद्य जिला शिवपुरी के निर्देशानुसार एवं उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में पारित आदेश के परिपालन में समस्त हितग्राहियों की ekyc की जाकर दोहरे, अपात्र, साईलेंट राशन कार्डों का विलोपन करने हेतु आदेश जारी किए गए।

इस संबंध में जनपद पंचायत सीईओ को भी निर्देश दिए गए है कि ऐसे सदस्यों का विलोपन लगातार संबंधित ग्राम पंचायत सचिव/वार्ड प्रभारी द्वारा लगातार किया जाये। जिसके संबंध में पिछोर अनुविभागिय अधिकारी(राजस्व) शिवदयाल धाकड़ द्वारा राशन प्राप्त करने वाले सभी परिवारों के सदस्यों की ekyc करने के निर्देश दिए! मध्यप्रदेश शासन से प्राप्त निर्देशानुसार E-kyc का कार्य करने की सुविधा शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर उपलब्ध POS मशीन में की गई हैं जिसमें परिवार ID दर्ज करते ही सभी सदस्यों का विवरण खुल जाता है एवं जिन सदस्यों की E-kyc शेष है वह सदस्य 'लाल रंग' में प्रदर्शित होते है बायोमेट्रिक सत्यापन हेतु दुकान पर उपस्थित होना है जहां विक्रेता द्वारा E-kyc पूर्ण की

जावेगी। हाल ही में शासन द्वारा मोबाइल एप्लीकेशन की सुविधा दे दी है जिससे उपभोक्ता स्वयं भी अपनी EKYC कर सकता है । पिछोर अनुभाग अंतर्गत तहसीलदार,नायब तहसीलदारों से भी लगातार दुकानों का सेक्टर बार निरीक्षण कराया जाकर EKYC का कार्य कराया जा रहा है ।पिछोर ब्लॉक में 78 प्रतिशत एवं खनियांधाना ब्लॉक में 76 प्रतिशत E-kyc कार्य पूर्ण की जा चुकी है। इस कार्य को शत्-प्रतिशत पूर्ण करना है, जिससे किसी भी पात्र हितग्राही को राशन निर्विवाद, बिना बाधा के लगातार मिलता रहें। इस कार्य को तीव्र गति देने के लिए जनपद पंचायत सीईओ,रोजगार सहायक सचिव,पटवारी आदि कि ड्यूटी लगाई गई है ! जो कि शा0उ0मू0 की दुकानों का लगातार निरीक्षण कर रहे है। इस कार्य को लेकर पिछोर एसडीएम धाकड़ द्वारा लगातार प्रबंधकों की बैठक ले रहे और कार्य न करने वाले के साथ तत्काल कार्यबाही भी की जा रही है !इसी क्रम में शासकीय उचित मूल्य की दुकान चौमुंहा,पुरा,बनोटा को संस्था से ही अलग किया जाकर अन्य संस्थाओं को संचालन को सौंपा गया है बही सबसे कम EKYC करने वाले विक्रेताओं में से हरथोन विक्रेता को तत्काल पद से हटा दिया गया है । एसडीएम धाकड़ द्वारा बताया गया कि यदि कोई विक्रेता EKYC में लापरवाही करता है,तो उस पर तत्काल कार्यवाही की जायेगी !पूर्व में विगत माह भी समीक्षा वैठक के दौरान लापरवाही बरतने एवं कम प्रगति वाले पिछोर अनुभाग के 14 शा0उ0मू0 की दुकानों के विक्रेताओं पर 28000/ जुर्माना अधिरोपित कर कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने की चेतावनी दी गई थी।बही खाद्य अधिकारी पिछोर जगदीप सिंह से इस संबंध में लगातार रिपोर्ट मांगी जाकर समीक्षा की जा रही है !

अवैध लकड़ी का परिवहन करते हुए जतारा वन विभाग ने ट्रक किया जप्त

रेंजर शिशुपाल अहिरवार की टीम की कार्यवाही

दैनिक रणजीत टाइम्स

बीते रात्रि में वन परिक्षेत्र अधिकारी जतारा शिशुपाल अहिरवार को मुखबिर सूचना के जरिए जटकोरा गांव में अवैध लकड़ी परिवहन की सूचना प्राप्त हुई। उक्त सूचना को गंभीरता से लेते हुए रेंजर के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को संज्ञान में लाकर तथा उनके निर्देशन में तत्काल दल का गठन कर मौके पर भेजा गया तो एक ट्रक क्रमांक UP 93CT0588 में श्यामार प्रजाति की अवैध लकड़ी के परिवहन करते हुए देखा गया । जिसके पश्चात ट्रक में सवार चालक पप्पू यादव से ट्रक में लोड लकड़ी के संबंध में वन विभाग की अनुमति मांगी गई तो उसके द्वारा लकड़ी काटे जाने और परिवहन किए जाने के संबंध में कोई भी अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए उक्त ट्रक को अवैध लकड़ी परिवहन के लिए आरोपी वाहन चालक के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण क्रमांक 243/22दिनांक 13/05/2025 पंजीबद्ध किया जाकर ट्रक को मय लकड़ी के जप्त किया गया। जिसके बाद जप्त ट्रक को मय वनोपज के सुरक्षित खड़ा कराने के बाद वन अपराध प्रकरण क्रमांक 243/22 दिनांक 13/05/2025 को अग्रिम विवेचना में लिया गया। वाहन जप्ती की कार्यवाही वन परिक्षेत्र अधिकारी जतारा शिशुपाल अहिरवार के कुशल नेतृत्व में वन संरक्षक छतरपुर और वन मंडल अधिकारी टीकमगढ़ के दिशा निर्देशन में की गई । उक्त कार्यवाही में रियाजुद्दीन काजी वनपाल , शुभम पटेल वनरक्षक, प्रमोद अहिरवार वनरक्षक, अमन प्रजापति वनरक्षक, विवेक वनरक्षक मौजूद रहे।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, गुरुवार 15 मई 2025
03
DIGITAL EDITION

इंदौर आबकारी विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई

अवैध मदिरा विक्रेताओं पर शिकंजा

अवैध विज्ञापन हटाए गए

न्यूनतम/अधिकतम विक्रय मूल्य का उल्लंघन करने वालों पर भी केस दर्

कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में, इंदौर आबकारी विभाग ने 13 मई 2025 को अवैध मदिरा बिक्री व नियम उल्लंघन के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया।

मुख्य बिंदुः मदिरा दुकानों पर अनधिकृत विज्ञापनों को हटाया गया।

निर्धारित विक्रय मूल्य से अधिक या कम मूल्य पर बिक्री करने वाले विक्रेताओं पर कार्रवाई की गई। कई दुकानों पर साइनबोर्ड नियमों के उल्लंघन पर प्रकरण दर्ज किए गए।

निरीक्षण स्थलः मालवामिल, रोशनसिंग, निरंजनपुर, स्कीम नं 78, लसूड़िया गोदाम 01, भमोरी चौराहा, पंचशील नगर, बिजलपुर, राऊ 01-02, इमली बाजार, बाणगंगा 01-02, गवली पलासिया, छोटी कलाली आदि।

प्रमुख उल्लंघनः सांकेतिक मदिरा विज्ञापन का प्रदर्शन

अनधिकृत साइनबोर्ड निर्धारित मूल्य सीमा का उल्लंघन (संयोगितागंज, मच्छी बाजार, गिरोता, पलासिया 02, बंगाली चौराहा, लसूड़िया गोदाम 02)

न्यायालयीन प्रकरणः 29 प्रकरण दर्ज, 27 स्थानों पर तलाशी

जब्तीः 10.38 बल्क लीटर देशी मदिरा, 3.4 लीटर विदेशी स्प्रिट, 19.87 बल्क लीटर विदेशी बियर, 29 लीटर हाथभट्टी, 250 किग्रा महुआ लाहान,अनुमानित मूल्यः 46,120/- बजरंगनगर कांकड़, निरंजनपुर, पंचशील नगर (एवरफ्रेश), कनाडिया, बिजलपुर, राजेंद्र नगर, बायपास, MR-10, परदेशीपुरा, सिमरोल, पीठ रोड आदि।

आबकारी विभाग की चेतावनीः सहायक आयुक्त श्री तिवारी ने स्पष्ट किया कि अवैध मदिरा निर्माण, परिवहन और बिक्री पर विभाग की निगरानी और सख्त होती जाएगी।

गोटेगांवखेड़ा बना "सेल्फी विद डॉटर" अभियान में मिसाल, हर घर से जुड़ रहा है बेटियों का सम्मान

ग्राम पंचायत स्थापित करेगी 'सेल्फी विद डॉटर' का स्टैच्यू

नरसिंहपुर जिले का पहला गांव बनेगा, जहां हर घर से होगी सेल्फी अपलोड

गोटेगांव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रिय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहे गए 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान को नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव खेड़ा गांव ने पूरी तरह अपनाते हुए एक नया इतिहास रचने की ओर कदम बढ़ा दिया है। यह गांव जिले का पहला ऐसा गांव बनने जा रहा है जहां हर घर से 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान के तहत बेटियों के साथ ली गई सेल्फी ऑनलाइन म्यूजियम में अपलोड की जा रही है। ग्राम पंचायत की सरपंच प्रियंका के नेतृत्व में गठित विशेष टीम इस अभियान को मिशन मोड पर लेकर चल रही है। प्रियंका ने बताया कि यह पूरे नरसिंहपुर जिले के लिए गौरव का विषय है कि प्रधानमंत्री मोदी के इस प्रेरणादायक अभियान को उनके गांव ने हृदय से स्वीकारा है। यह पहल न सिर्फ बेटियों के सम्मान को बढ़ावा देती है, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी अहम कदम है। गांव में 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान के जनक सुनील जागलान के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण के बीबीपुर मॉडल को भी लागू किया गया है। इस मॉडल के तहत बेटियों की भागीदारी, शिक्षा और अधिकारों को केंद्र में रखकर जागरूकता फैलाई जा रही है।ग्राम पंचायत द्वारा गांव में 'सेल्फी विद डॉटर' का विशेष स्टैच्यू भी स्थापित किया जाएगा, जो इस अभियान के प्रति लोगों की प्रतिबद्धता और बेटियों के प्रति बढ़ते सम्मान का प्रतीक बनेगा।

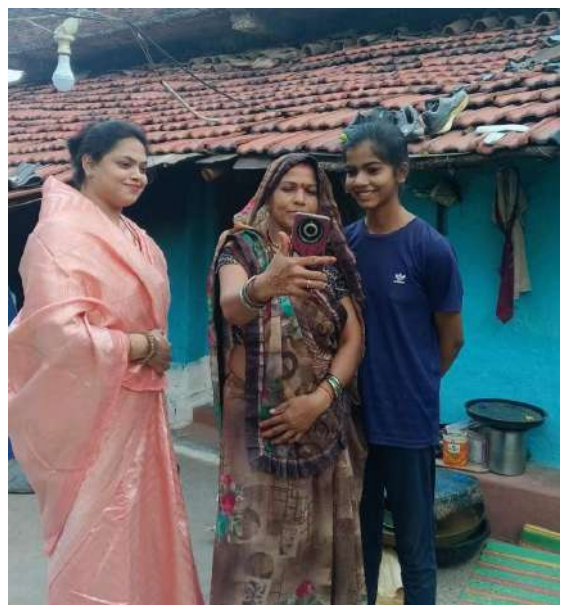

'सेल्फी विद डॉटर' का वैश्विक सफर

उल्लेखनीय है कि यह अभियान 9 जून 2015 को हरियाणा के जींद जिले के बीबीपुर गांव से पूर्व सरपंच सुनील जागलान द्वारा शुरू किया गया था। आज यह दुनिया के 100 से अधिक देशों में लोकप्रिय हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे कई बार 'मन की बात' और विदेश दौरों के दौरान सराहा है, वहीं पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने भी इस पहल को विशेष समर्थन दिया था।

बॉलीवुड और हॉलीवुड की कई हस्तियाँ—शाहरुख़ खान, प्रियंका चोपड़ा, मैडोना, अजय देवगन, किम कार्दशियन, डेविड बेकहम, विन डीजल, डोनाल्ड ट्रंप और रोनाल्डो तक—इस अभियान से जुड़ चुके हैं।

डिजिटल म्यूजियम में अब तक 15 लाख से अधिक सेल्फी

इस अभियान के तहत माता-पिता अपनी बेटियों के साथ ली गई सेल्फी को www.selfiewithdaughter.org पर अपलोड करते हैं। अपलोड के बाद वे यदि सेल्फी दोबारा डाउनलोड करते हैं तो उस पर अभियान की ब्रांड एंबेसडर के हस्ताक्षर दिखाई देते हैं। अब तक 15 लाख से अधिक सेल्फी अपलोड हो चुकी हैं।

सनावद प्रेस क्लब एसोसिएशन द्वारा नारद जयंती पर वैचारिक गोष्ठी का आयोजन

दैनिक रणजीत टाइम्स

आशीष शर्मा

सनावद-प्रेस क्लब एसोसिएशन द्वारा नारद जयंती के अवसर पर नगर पालिका परिषद कक्ष में वैचारिक गोष्ठी का आयोजन किया गया । गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कैलाश आंवले, वरिष्ठ शिक्षाविद राजेंद्र जैन महावीर, पंडित भरत तारे वक्ता के रूप में उपस्थित हुए । कार्यक्रम की शुरुआत महर्षि नारद जी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ की गई ।प्रेस क्लब अध्यक्ष गौतम विद्यार्थी ने संस्था की गतिविधियों से अतिथियों का अवगत कराया । सभी वक्ताओं ने आज की आधुनिक पत्रकारिता एवं नारद जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला । इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश बाल्दी, निलेश वर्मा, जगदीश राठौर , बबलू पांडे , सुधीर बैसवार , बजरंग दल जिला संयोजक दिलीप साकरोदिया, राजा चौरसिया, धर्मेंद्र मसन्द, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मानसिंह राठौर , महामंत्री शुभम शर्मा , श्याम ठाकुर दिनेश शर्मा, शहजाद खान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

भोपाल में विजय शाह के खिलाफ़ FIR दर्ज़ कराने पहुंचे PCC Chief जीतू पटवारी।

सायबर हमले के जोखिम से बचने के लिए राज्य सायबर पुलिस द्वारा एडवाइजरी जारी

दैनिक रणजीत टाइम्स

दीपक तोमर

खरगोन। राष्ट्रीय परिस्थितियों एवं वर्तमान परिदृश्य के चलते साइबर हमले का जोखिम बढ़ गया है। इस स्थिति में भारतीय शासकीय एजेंसियां, सैन्य कर्मी संस्थान और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जा सकता है। वर्तमान स्थिति के संबंध में व्हाट्सएप, ई-मेल और सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से तेजी से फैल रही दुष्प्रचार सामग्री के बारे में सतर्क रहना आवश्यक है। इस सामग्री में भ्रामक वीडियो, इमेज, ईएक्सई एवं एपीके फाइल और फेक न्यूज या अपडेट के रूप में फिशिंग ई-मेल, फेक लॉगिन पेजेस और मालिसियस अटैचमेंट जैसी परिष्कृत रणनीति का उपयोग शामिल है।

साइबर अपराधी समाचार अथवा सूचनाओं से संबंधित विशेष अपडेट, संघर्ष से संबंधित कथन या लीक हुए फुटेज के बहाने दुष्प्रचार सामग्री प्रसारित कर रहे हैं, जिनमें मैलवेयर, स्पाइवेयर या फिशिंग वेबसाइट्स के लिंक होते हैं। यह सामग्री विभिन्न यूआरएल लिंक या अज्ञात नंबरों से भेजी गई तस्वीरों के रूप में भी हो सकती है जो कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से बड़ी सरलता से प्रेषित की जा सकती है।

साइबर हमला करने के तरीके

दुष्प्रचार रूप से तैयार की गई एपीके फाइल, ईक्सिई फाइल और वीडियो फाइल एवं लिंक को व्हाट्सएप, ई-मेल, और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया जा रहा है। संदेशों में फिशिंग लिंक एम्बेड करना जो विश्वसनीय स्रोतों या समूहों के समान प्रतीत होते हैं। वैध समाचार या सरकारी स्रोतों की तरह दिखने के लिए डिजाइन की गई इन फिशिंग वेबसाइट्स के माध्यम से व्यक्तिगत डेटा को चुराया जा सकता है। एप या टूल (जैसे, लाइव वार अपडेट एप्स) के रूप में लेबल की गई एपीके फाइल्स का प्रसार किया जा रहा है, जिसके माध्यम से डेटा चुराना या डिवाइस को लॉक करके फिरौती की मांग की जा सकती है। इसके अतिरिक्त इन टूल्स के माध्यम से बैंक खाते या सोशल मीडिया खाते आदि को भी हैक किया जा सकता है।

बचाव के लिए सलाह

व्हाट्सएप और सोशल मीडिया पर कभी भी अनजान फोन नंबर

से भेजे गए वीडियो या इमेज फाइल को ओपन न करें, भले ही ऐसी फाइल किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा फॉरवर्ड की गई हो जिस पर आप भरोसा करते हैं। स्वयं भी ऐसे मैसेज फाइल को कभी किसी को या किसी समूह को फॉरवर्ड न करें। केवल गूगल प्लेर स्टोर या अधिकृत ऐप स्टोर से ही किसी एप को इंस्टॉल करें। विवादित अपडेट या संवेदनशील फुटेज दिखाने का दावा करने वाले फॉरवर्ड किए गए लिंक पर क्लिक कर ओपन करने का प्रयास न करें। यदि आप किसी ऐसे समूह के सदस्य हैं जहां भड़काऊ या असत्यापित सामग्री शेयर की जा रही हो तो ऐसा करने वाले संदिग्ध व्हाट्सएप ग्रुप से बाहर निकलें, रिपोर्ट करें और ऐसे ग्रुप को डिलीट करें।

व्हाट्सएप में बेहतर सुरक्षा सेटिंग्स

व्हाट्सएप की सेटिंग में ऑटो डाउनलोड डिसेबल करें। अकाउंट हैक होने से बचाने के लिए हमेशा व्हाट्सएप अकाउंट सेटिंग में 2 स्टेप वेरिफिकेशन इनेबल करें। किसी भी दुष्प्रचार संदेश या समूह गतिविधि को सीधे व्हॉट्सएप पर रिपोर्ट करें या cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट करें। इसके अलावा ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। ई-मेल उपयोगकर्ताओं के लिए अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजे गए ईमेल न खोलें। अनचाहे ईमेल से आए अटैचमेंट को डाउनलोड करने या लिंक पर क्लिक कर ओपन करने से बचें। ईमेल एड्रेस की सावधानीपूर्वक जांच करें क्योंकि फिशिंग ईमेल भेजने के लिए साइबर अपराधी अक्सर असली जैसे दिखने वाले एड्रेस की नकल करते हैं। सभी ईमेल अकाउंट्स में 2 फैक्टर ऑथेन्टिकेशन इनेबल करें। साथ ही अपडेटेड एंटी वायरस सॉफ्टवेयर का ही उपयोग करें और स्पैम फिल्टर को इनेबल रखें।

सामान्य साइबर जागरूकता

कोई भी अपडेट या सूचनाएं जानने के लिए केवल सत्यापित समाचार चैनल और सोशल मीडिया हैंडल का ही उपयोग करें। संवेदनशील फर्जी समाचारों को फॉरवर्ड या डाउनलोड करने से बचने के लिए फैक्ट चेकर्स का उपयोग करें। क्लाउड स्टोरेज एवं महत्वपूर्ण डेटा का नियमित रूप से बैकअप लेते रहें। अपने एंटीवायरस और मोबाइल सिक्योरिटी सॉफ्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट करें। विशेष रूप से संवेदनशील घटनाओं या सूचनाओं की असत्यापित सामग्री को शेयर करने से बचें। इसके अलावा अधिकृत सरकारी वेबसाइटों और हैंडल के माध्यम से किसी भी ग्राफिक जानकारी को सत्यापित करें।

आपातकालीन स्थिति के लिए जरूरी सेटिंग्स

सेफ्टी और इमरजेंसी एसओएस में जाकर इस फीचर को ऑन करें। एंड्राइड फोन में सेफ्टी और इमरजेंसी सेटिंग्स में जाकर इमरजेंसी कॉन्टैक्ट्स जोड़ें। आइफोन में हेल्थ ऐप मेडिकल आईडी सेट करें और लॉक स्क्रीन पर दिखाएं चालू करें। इमरजेंसी अलर्ट ऑन करें। यदि आप ऐसे किसी साइबर घोटाले का शिकार हुए हैं, तो हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करे या www.cybercrime.gov.in पर अपनी शिकायत दर्ज करें। जनता से आग्रह है कि वे सतर्क रहें, संदिग्ध सामग्री को रिपोर्ट करें और गलत सूचना के प्रसार में योगदान न दें।

अबेकस वैदिक मैथ्स एकेडमी गोटेगाँव के बच्चों हुआ सम्मान

दैनिक रणजीत टाइम्स

गोटेगाँव-गोटेगांव नगर अबेकस वैदिक मैथ्स एकेडमी टीम गोटेगाँव विगत दिवस उज्जैन में हुए कार्यक्रम में शामिल होने के उपरांत लौटे अबेकस वैदिक मैथ्स एकेडमी गोटेगाँव के प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान समारोह श्रेया होटल में आयोजित किया गया इस अवसर पर मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन के सचिव सरदार सिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष पूनम जितेन्द्र ठाकुर तथा नगर मण्डल अध्यक्ष अंजनी दीपक सोनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा बच्चों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने बच्चों की उपलब्धियों की सराहना की और भविष्य में इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं।

852 मरीजों को मिला निशुल्क इलाज और औषधि 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में एक साथ लगे शिविर, नेत्र और ईएनटी रोगों के लिए दी गई विशेष सलाह

दैनिक रणजीत टाइम्स

संदीप वाईकर

बैतूल। संचालनालय आयुष विभाग मध्य प्रदेश भोपाल के आदेशानुसार तथा बैतूल कलेक्टर के मार्गदर्शन में, जिला आयुष अधिकारी डॉ योगेश चौकीकर के निर्देशानुसार जिले की सभी 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 14 मई को विशेष आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का विषय सामान्य नेत्र और ईएनटी (कान, नाक, गला) संबंधी समस्याओं की देखभाल रहा। शिविर का प्रचार-प्रसार पंपलेट्स के माध्यम से किया गया और प्रत्येक संस्थान में शिविर की शुरुआत धन्वंतरि पूजन तथा आमंत्रित मुख्य अतिथियों के स्वागत के साथ की गई। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आमजन उपस्थित हुए, जिन्हें शुगर, उच्च रक्तचाप और वजन की जांच सहित अन्य रोगों की पहचान कर निःशुल्क चिकित्सा सुविधा और आयुर्वेदिक औषधियां प्रदान की गईं। शिविर में अर्श, मधुमेह, ज्वर, उच्च रक्तचाप, श्वास, कास, रक्ताल्पता, संधिवात, जोड़ों के दर्द, सिरदर्द आदि बीमारियों के लिए विशेष इलाज किया गया। बैतूल जिले की सभी 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में कुल 852 लाभार्थियों ने इस शिविर से निःशुल्क औषधियों एवं परामर्श का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर सभी आगंतुकों को 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रचार के अंतर्गत योगाभ्यास करने हेतु प्रेरित किया गया तथा योग के स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी गई।

साथ ही, जिला चिकित्सालय बैतूल में राष्ट्रीय सिकलसेल कार्यक्रम के अंतर्गत 0 से 20 वर्ष आयु वर्ग के चिन्हित सिकलसेल रोगियों के लिए 14 मई एवं 15 मई को विशेष टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में आयुष विभाग की ओर से डॉक्टर सरिता डेहरिया, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी एवं उनकी टीम द्वारा सहभागिता दी गई और बच्चों को आवश्यक टीकाकरण सेवाएं प्रदान की गईं।

सीजफायर के बाद लोगों ने बनाया रिस्क लेने का मूड, सोना-चांदी हुए धड़ाम

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-चीन में ट्रेड वॉर टलने और भारत-पाकिस्तान में सीजफायर के बाद दुनिया भर के शेयर बाजारों में तेजी आई और लोगों ने रिस्क लेने का मूड बना लिया। नतीजा सोने जैसे सेफ-हेवन (सुरक्षित निवेश) की डिमांड कम हो गई। सोने-चांदी के भाव में आज यानी बुधवार 14 मई को बड़ा बदलाव नजर आ रहा है। सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 568 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर आज 93776 रुपये पर खुला। जबकि, चांदी 871 रुपये टूटकर 95949 रुपये प्रति किलो के भाव से खुली। सर्राफा बाजार के रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं, जिनमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। अभी यह रेट दोपहर वाला है।

जीएसटी के साथ क्या है भाव- जीएसटी के साथ आज सोना 96589 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 98827 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रही है। 5324 रुपये सस्ता हो चुका है। 22 अप्रैल 2025 को सोना 99100 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर था।

इस साल चांदी से दोगुनी रफ्तार से भागा सोना- इस साल सोना करीब 18036 रुपये और चांदी 9932 रुपये महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 24 को सोना 76045 रुपये प्रति 10 के रेट से खुला था और चांदी 85680 रुपये प्रति किलो से। इस दिन सोना 75740 रुपये पर बंद हुआ। चांदी भी 86017 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

सोना अपने ऑल टाइम हाई से आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी आज 565 रुपये सस्ता होकर 93401 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव दोपहर सवा 12 बजे के करीब 420 रुपये टूटकर 85899 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। 18 कैरेट गोल्ड का भाव भी सस्ता होकर 70332 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 332 रुपये लुढ़क होकर 54859 रुपये पर आ गई है।

1,00,000 के स्तर से फिसलकर इस लेवल पर सोना

भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर और यूरोप में रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर संघर्षविराम की खबरों के बाद वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। जहां अक्षय तृतीया के आसपास सोना एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को छू रहा था, वहीं अब यह घटकर जीएसटी समेत लगभग 96000 पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी 1,00,000 के स्तर से फिसलकर 96,500 प्रति किलो के करीब पहुंच गई है। पिछले 10-12 दिनों दोनों कीमती धातुओं में लगभग 4000 रुपए की गिरावट देखी गई। ऐशप्रा जेम्स एंड ज्वेल्स के निदेशक अनूप सराफ ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह समय गहनों की खरीदारी और लम्बे समय के निवेश के लिए सही है। कीमतों में आई यह नरमी ग्राहकों के लिए एक बेहतरीन मौका लेकर आई है।

क्यों गिर रहा सोने का भाव- अमेरिका और चीन ने 3 महीने के लिए एक-दूसरे पर लगे टैरिफ (आयात शुल्क) कम करने का फैसला किया है। अमेरिका ने चीन के सामान पर टैरिफ 145 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत किया और चीन ने भी अमेरिकी सामान पर टैरिफ 125 प्रतिशत से 10 प्रतिशत कर दिया।

सहज योग ध्यान- आत्मा से परमात्मा तक की यात्रा

दैनिक रणजीत टाइम्स

ध्यान वह विज्ञान है जो आत्मा को अनंत आत्मा या परमात्मा से पुनः एकाकार करवाता है। गहराई से नित्य ध्यान का अभ्यास करने से हम अपनी आत्मा को जागृत कर सकते हैं, अपने अस्तित्व के केंद्र में दिव्य चेतना के शाश्वत आनंद का अनुभव कर सकते हैं। सहज योग ध्यान हमारी आत्मा से परमात्मा तक की यात्रा में षटरिपु यानि हमारे उत्थान के आड़ आने वाली छः बाधायें (काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मात्सर्य) को हमसे विमुक्त करते हुये ब्रम्हांड में व्याप्त ईश्वरीय ऊर्जा से हमारी एकाकारिता कराने की विधि है। यह विचार करने या तर्क करने की विषय नहीं है, अस्पष्ट मानसिक प्रक्रिया या दार्शनिक विवेचना भी नहीं है। यह ध्यान की एक सरल विधि है। जीवन के भटकाव और वैचारिक उथल-पुथल को शांत कर अपने असली स्वरूप से हमारा आत्मसाक्षात्कार कराने की अद्भुत और दिव्य विधि है सहज योग। ध्यान के अनुशासन द्वारा हम अपने को एकाग्र करना सीखते हैं और हमें अपने अंदर के उस धाम का अनुभव होता है जहां अचल शांति एवं आनंद का निवास है। जैसे-जैसे ध्यान में गहरे उतरने लगते हैं हमें निरंतर बढ़ती आंतरिक शांति व आनंद का अनुभव होता है जिससे हमारी आत्मा को हम अनुभव करते हैं, और

इसी की अति उन्नत अवस्था में हमें अपनी आत्मा का परमात्मा के साथ पूर्णतया एकाकार हो जाने का अनुभव होने लगता है। ध्यान का यही उद्देश्य है — परम आनंदमय चेतना की उत्कृष्ट अवस्था, आनंदमय दिव्य तादात्म्य जिसे समाधि कहते हैं।

सहज योग में हमारी आंतरिक शक्ति कुंडलिनी का जागरण बड़ी सहजता से हो जाता है। हम सामुहिक चेतना से जुड़ जाते हैं। सालों से सहज ध्यान कर रहे साधकों का सानिध्य हमारी कुंडलिनी शक्ति बहुत सहजता से जागृत कर मध्य मार्ग यानि सुषम्ना नाड़ी से उपर की ओर उठा हमें ईश्वरीय साम्राज्य में प्रवेश कराता है जिसकी अनुभूति हथेली से प्रवाहित होने वाले चैतन्य से होता है। हम तत्काल अपने अंदर बदलाव को महसूस करते हैं- अद्भुत, आनंददायी,शांत, शीतल, परम सुख प्रदान करने वाली स्थिति से एकाकारिता पाते हैं। दिनाकं 1 मई, 1979 को अपने एक प्रवचन में श्री माताजी ने कहा है, "आपके साथ जो मूल बात होती है वह यह है कि आपकी इच्छा शक्ति ईश्वर के साथ एक हो जाती है... इसके अलावा, ईश्वर की इच्छा सोचती है, समझती है, व्यवस्थित करती है और प्यार करती है. आप वास्तव में सरल हैं, तो ही यह आपके ऊपर प्रकट होता है, अन्यथा नहीं। यह बहुत सूक्ष्म शक्ति है। यह उन लोगों के साथ होता है जो वास्तव में इसकी इच्छा करते हैं, कि उनकी इच्छा केवल ईश्वर के साथ एक हो जानी चाहिए। ऐसे लोगों को आत्मसाक्षात्कार मिलता है... यदि आपके पास यह है, तो इसमें महारत हासिल करें और इसका उपयोग करें। " सहज योग को गहनता से समझने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

जिला कांग्रेस कमेटी ने लल्ली चौक पर फूंका मंत्री विजय शाह का पुतला

कर्नल सोफिया को पाकिस्तानियों की बहन बताने वाले मंत्री शाह के इस्तीफे की मांग

दैनिक रणजीत टाइम्स

संदीप वाईकर बैतूल

बैतूल। जिला कांग्रेस कमेटी ने लल्ली चौक पर मंत्री विजय शाह का पुतला दहन कर जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मंत्री शाह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनके बयान को देश की सेना एवं बेटियों का अपमान बताया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे ने कहा कि प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने पूरे देश को शर्मसार कर देने वाला बयान दिया है। इससे सेना का मनोबल गिरेगा विजय शाह प्रदेश के मंत्री है और उन्होंने सेना की बहादुर बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी को पाकिस्तानियों की बहन बताया है, जिससे देश के सैनिको एवं उनके शौर्य एवं साहस का अपमान है। वागद्रे ने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी पर पूरे देश को गर्व है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस पर तुरंत संज्ञान लेना चाहिए। वागद्रे ने कहा कि मंत्री शाह की यह टिप्पणी मर्यादाओं के विपरीत है और यह भाजपा की संकीर्ण सोच को उजागर करती है। उन्होंने मांग की कि विजय शाह को अपने इस शर्मनाक बयान पर तत्काल इस्तीफा देना चाहिए एवं पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए । प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे के साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण गोठी,नवनीत मालवीय ,विभाष पाण्डेय, हेमंत पगारिया, अनुराग मिश्रा, अनिल मगरकर, सरफराज खान,मंगू सोनी , रितेश शुक्ला, राजा सोनी, मोनू वाघ, बंडू कुंभारे, आबिद खान, जैद खान, अतुल शर्मा, वसीम कुरैशी, मोहित खातरकर, निखिल देशमुख, नावेद खान, आयन खान, अम्मू खान, सोनू देशमुख और अफरोज खान आदि कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

कुंवर साहेब का विवादों से पुराना नाता

विजय शाह उस समय से ही सुर्खियों में है जब कोविड के दौरान मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की सरकार बनी थी। विजय शाह उस सरकार में वन मंत्री थे। मशहूर अभिनेत्री विद्या बालन अपनी फिल्म शेरनी की शूटिंग मध्य प्रदेश में कर रही थीं। शूटिंग के दौरान मंत्री विजय शाह की इच्छा हुई कि वह विद्या बालन के साथ डिनर करें। डिनर का ऑफर विद्या बालन ने ठुकरा दिया तो मंत्री ने शूटिंग रुकवा दी। बाद में मीडिया में खबरें आई तो शूटिंग की अनुमति दी गई।

जंगल में चिकन पार्टी...

मंत्री विजय शाह के लिए सरकारी नियम कानून भी ठेंगे पर रहा है। अपने दोस्तों के साथ सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के प्रतिबंधित क्षेत्र में चिकन पार्टी की थी। वीडियो वायरल होने के बाद जांच के आदेश दिए गए। नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा है। कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पुलिस ने पिटाई कर पैर कर दिया था फ्रैक्चर

1998 में पहला चुनाव जीतने के बाद विजय शाह ने खंडवा में पुलिस हिरासत में एक ढोलक बजाने वाले युवक की मौत का मुद्दा उठाया था। तब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी। प्रदर्शन के दौरान शाह ने एक थाना प्रभारी को चांटा मार दिया था। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने घेर कर शाह की डंडों से पिटाई कर दी। तब शाह का पैर फ्रैक्चर हो गया था।

शिवराज सिंह चौहान की पत्नी पर कर चुके हैं टिप्पणी

मंत्री विजय शाह तत्कालीन शिवराज सरकार में भी मंत्री रहे हैं। उन्होंने उस समय तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान की पत्नी पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी। इसके बाद उनकी मंत्री पद चली गई थी। हालांकि पॉलिटिकल ताकत की वजह से चार महीने में ही कैबिनेट में वापसी हो गई थी। ऐसा रहा विजय शाह का राजनीतिक सफर बात दें कि विजय शाह का राजनीतिक जीवन छात्र राजनीति से शुरू हुआ। उन्होंने इंदौर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) से जुड़कर कॉलेज चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाई। छात्र संघ के विभिन्न पदों पर कार्य करने के बाद उन्होंने 1990 में पहली बार मध्य प्रदेश विधानसभा के लिए चुनाव लड़ा और निर्वाचित हुए। इसके बाद वे 1993, 1998, 2003, 2008, 2013, 2018 और 2023 में लगातार आठ बार हरसूद विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए।

इवेंट मैनेजमेंट में बनाएं अपना कॅरियर

इवेंट मैनेजमेंट सबसे अधिक लाभदायक कॅरियर के रूप में सामने आया है। आयोजन और आयोजन करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार इस क्षेत्र में नौकरी के अवसर तलाश कर सकते हैं।

इवेंट मैनेजमेंट का अर्थ विशेष रूप से कार्यक्रमों, त्योहारों, संगोष्ठियों आदि जैसे कार्यक्रमों के डिजाइन और संचालन के लिए परियोजना प्रबंधन कौशल को लागू करना है। आज आईपीएल, साहित्य उत्सव, ओलंपिक या राष्ट्रमंडल खेलों सहित सभी प्रमुख आयोजनों का प्रबंधन इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों द्वारा ही किया जाता है। मार्केट रिपोर्ट्स के मुताबिक इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में एमबीए उन युवाओं के लिए कई अवसर खोलेगा जो एक्शन, विविधता, चुनौती और बाहरी काम के शौकीन हैं। इवेंट मैनेजमेंट सबसे अधिक लाभदायक कॅरियर के रूप में सामने आया है। आयोजन और आयोजन करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार इस क्षेत्र में नौकरी के अवसर तलाश कर सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट को कई विश्वविद्यालयों में पेश किए जाने वाले जनसंचार का एक हिस्सा माना जाता है। इसलिए उम्मीदवार यूजी और पीजी स्तर पर इवेंट मैनेजमेंट कोर्स कर सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट खुदरा और विपणन क्षेत्र में बढ़ते रुझान के कारण तेजी से एक हॉट कैरियर विकल्प के रूप में पकड़ रहा है, जिसमें शामिल है –

- लक्षित दर्शकों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करना
- विज़ुअलाइज़िंग कॉन्सेप्ट्स
- योजना
- बजट
- निष्पादन की घटनाएं
- फैशन शो, संगीत कार्यक्रम, सेमिनार, प्रदर्शनियों, शादियों, थीम वाली पार्टियों, उत्पाद लॉन्च आदि पर काम करना।

इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर कैसे शुरू करें?

इवेंट मैनेजमेंट में अपना कॅरियर शुरू करने के लिए उम्मीदवारों को इस क्षेत्र में एक विशेष डिग्री हासिल करनी चाहिए। प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिए प्रवेश प्रक्रिया अलग-अलग होती है। उम्मीदवारों को उस पाठ्यक्रम की तलाश करनी चाहिए जिसका वे अध्ययन करना चाहते हैं और प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए पात्रता की जांच करें। इवेंट मैनेजमेंट में अधिकांश एंट्री-लेवल जॉब्स इवेंट मैनेजमेंट में स्नातक की डिग्री या डिप्लोमा करके किया जा सकता है। हालांकि मेगा इवेंट आयोजित करने वाली बड़ी कंपनियों में प्रबंधकीय पदों या नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए उम्मीदवारों को प्रतिष्ठित संस्थानों से एमबीए या पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की आवश्यकता होगी।

इवेंट मैनेजमेंट के लिए पात्रता मानदंड

उत्कृष्ट जनसंपर्क और नेटवर्किंग कौशल वाले स्नातक इस क्षेत्र का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि एक प्रतिष्ठित फर्म या कंपनी में इवेंट मैनेजर बनने के लिए अच्छे जनसंपर्क कौशल के साथ एमबीए की डिग्री होनी चाहिए। मार्केटिंग में अपने मास्टर के साथ जनसंपर्क में डिग्री होने से इस पेशे में एक अतिरिक्त लाभ होगा।

इवेंट मैनेजमेंट के लिए स्किल्स और एट्रीब्यूट्स

एक इवेंट मैनेजर के पास अच्छा संचार कौशल होना चाहिए, चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए आश्वस्त होना चाहिए और किसी स्थिति को समझने और ठीक से प्रतिक्रिया करने की क्षमता होनी चाहिए। उसके पास रचनात्मकता और संगठनात्मक कौशल होना चाहिए। टीम भावना और नेतृत्व कौशल अन्य पूर्वापेक्षाएँ हैं। उन्हें घटना के हर मिनट के विवरण को भी देखना होगा।

जॉब प्रोफाइल

इवेंट मैनेजमेंट प्रबंधन के नवीनतम क्षेत्रों में से एक है और लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। हालांकि इस क्षेत्र को अक्सर जनसंपर्क उद्योग की एक शाखा माना जाता है, यह बाजार का विस्तार कर रहा है और बहुत सारे रोजगार पैदा कर रहा है। विज्ञापन, पीआर और कॉरपोरेट कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद उम्मीदवार इवेंट मैनेजमेंट में भी अपना करियर बना सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में ढेरों नौकरियां उपलब्ध हैं। मौजूदा वैश्विक आर्थिक मंदी के बावजूद, इवेंट मैनेजमेंट उद्योग लगातार तेजी से फल-फूल रहा है। बहुत सारे आयोजन होते हैं – शादियों, जन्मदिन पार्टियों और रियलिटी शो, फैशन और सांस्कृतिक शो पूरे देश में हो रहे हैं, जिससे कार्यक्रम योजनाकारों की मांग पैदा हो रही है। इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में उपलब्ध जॉब प्रोफाइल इस प्रकार है –

- **वेडिंग प्लानर** – ऐसे जॉब प्रोफाइल में शादी के आयोजन से संबंधित हर मिनट के विवरण पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। एक वेडिंग प्लानर अपने ग्राहकों को विभिन्न विवाह समारोहों की योजना बनाने में मदद करता है।
- **स्टेज डेकोरेटर** – स्टेज डेकोरेटर इवेंट के लिए स्टेज लेआउट डिजाइन करने के लिए जिम्मेदार होता है। स्टेज डेकोरेटर की जिम्मेदारी में मंच पर प्रॉप्स को व्यवस्थित करना और रखना और मंच को आयोजन स्थल के अन्य सजावटी तत्वों के बीच खड़ा करना शामिल है।
- **रसद प्रबंधक** – रसद प्रबंधक घटना के लिए आवश्यक उपकरण, मेहमानों और अन्य चीजों के परिवहन के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होता है।
- **प्रदर्शनी आयोजक** – एक प्रदर्शनी आयोजक की नौकरी की रूपरेखा एक कार्यक्रम योजनाकार की तरह होती है। प्राथमिक अंतर यह है कि एक प्रदर्शनी आयोजक योजना बनाता है और साथ ही मेलों और प्रदर्शनियों को निष्पादित करता है।
- **इवेंट प्लानर** – इवेंट प्लानर किसी इवेंट के सभी विवरणों की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। घटना एक सम्मेलन, कॉर्पोरेट घटना या शादी हो सकती है। एक इवेंट प्लानर थीम, लॉजिस्टिक्स से लेकर बजट तक इवेंट के लिए एक योजना बनाता है।
- **इवेंट मैनेजर** – इस जॉब प्रोफाइल में प्रत्येक इवेंट के पहलू के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होता है। एक इवेंट मैनेजर का काम किसी घटना को बिना किसी परेशानी के अवधारणा बनाना, योजना बनाना, व्यवस्थित करना और निष्पादित करना है।

इवेंट मैनेजमेंट में करियर के अवसर

इवेंट मैनेजमेंट के क्षेत्र में पारिश्रमिक उम्मीदवार की नौकरी की भूमिका और जिम्मेदारी पर निर्भर करता है। इसके अलावा, संगठन का आकार, ग्राहकों की प्रोफाइल, पेशेवर का अनुभव और फर्म का स्थान जैसे कारक भी उम्मीदवार का वेतन तय करते हैं। हालांकि इवेंट मैनेजमेंट में एक फ्रेशर 10,000 रुपये से 15,000 रुपये प्रति माह के बीच मासिक वेतन की उम्मीद कर सकता है। अनुभव और विशेषज्ञता के क्षेत्र के साथ सैलरी बढ़ती है। एक कुशल फ्रीलांसर या एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के मालिक के रूप में काम करके काफी पैसा कमाया जा सकता है। एक बार जब कोई इवेंट मैनेजर इस क्षेत्र में अनुभव प्राप्त कर लेता है तो वह अपने क्लाइंट के आधार पर 50,000 रुपये से 1 लाख रुपये या उससे अधिक की फीस की उम्मीद कर सकता है।

ऑनलाइन किचन बिजनेस की करें शुरूआत होगा मोटा मुनाफा

वर्तमान समय में मार्केट में कई सारे ऑनलाइन फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, फूड पांडा, उबर और स्विगी आदि फूड डिलीवरी एप हैं। इन एप के मदद से आप घर का बना हुआ खाना सेल कर सकती हैं। आइए जानते हैं कि आप किचन का ये बिजनेस कैसे शुरू कर सकते हैं। कहते हैं कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है। जिस काम से आपका और आपके परिवार का खर्च निकल जाए, तो वह काम सबसे अच्छे होता है। आज के दौर में सबका जॉब पाना सबसे थोड़ा मुश्किल काम है। ऐसे में लोग खुद का स्टार्टअप खड़ा करने की सोच रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी कम लागत के साथ अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। आज के समय में एक नहीं कई ऐसे ऑनलाइन बिजनेस हैं। जिनको आप घर बैठे-बैठे आसानी से चला सकते हैं।

आज हम आपके लिए एक ऐसे ही होम बेस्ड बिजनेस आइडिया लेकर आए हैं। आप इस काम को घर बैठे कम से कम लागत के साथ शुरू कर सकते हैं। वहीं महिलाएं इस काम को शुरू करके अच्छा खासा मुनाफा भी कमा सकती हैं। आपको बता दें कि आप घर से ऑनलाइन किचन बि?जनेस की शुरआत कर सकते हैं। इस बिजनेस में आपको अपने किचन में बने खाने को बेचना होगा। किचन खाने को बेचने के लिए आपको उसे पैककर ऑनलाइन फूड डिलीवरी एप के जरिए लोगों तक पहुंचाना होगा। वर्तमान समय में मार्केट में कई सारे ऑनलाइन फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, फूड पांडा, उबर और स्विगी आदि फूड डिलीवरी एप हैं। इन एप के मदद से आप घर का बना हुआ खाना सेल कर सकती हैं। आपका जो मैन्यू होगा उसी के हिसाब से आपके पास ऑर्डर आएगा। तो आइए जानते हैं कि आप किचन का ये बिजनेस कैसे शुरू कर सकते हैं।

कैसे शुरू करें बिजनेस

सबसे पहले इस बिजनेस को शुरू करने के लिए अपना किचन तैयार करें। फिर उस किचन रेस्टोरेंट का नाम तय कर लें। अब आपको FSSAI से फूड लाइसेंस लेना होगा। इसके लिए आपको ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके बाद फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, उबर, स्विगी और फूड पांडा आदि से अपने किचन रेस्टोरेंट को रजिस्टर करवा लें। फिर आपके यहां फूड डिलीवरी पार्टनर का एग्जीक्यूटिव विजिट करेगा। सब कुछ सही पाए जाने पर आपको अप्रूवल मिल जाएगा। जिसके बाद आपको ऑनलाइन ऑर्डर मिलने शुरू हो जाएंगे

ऐसे काम करेगा बिजनेस

बता दें कि जैसे ही आपको मोबाइल पर कोई ऑर्डर आता है, तो आप उस ऑर्डर के फूड को पैक कर दें। फूड पैकिंग के लिए आप किसी ऑनलाइन वेबसाइट से या मार्केट से जरूरी सामान खरीद सकते हैं। खाने का ऑर्डर लेने के लिए आपके पास डिलीवरी बॉय आएगा। डिलीवरी बॉय आपके ऑर्डर लेकर उस कस्टमर को देगा, जिसने खाना ऑर्डर किया था। इसके साथ ही फूड डिलीवरी एप और आपके बीच जो खाने के रेट को लेकर करार हुआ होगा। उसी हिसाब से वीकली आपके अकाउंट में पैसा आएगा।

हर दिन होगी इतनी कमाई

किचन रेस्टोरेंट की शुरूआत में हो सकता है कि आपको कम ऑर्डर मिले। लेकिन अगर आपके किचन से रोजाना 29 ऑर्डर मिले और आप हर ऑर्डर पर 50 रुपए की बचत करते हैं, तो हर दिन 1000 रुपए आपके पक्के होंगे। इस तरह के काम में किसी भी दिन छुट्टी नहीं होती है। ऐसे में आप महीने में कम से कम 30000 रुपए तक कमा सकते हैं। हांलाकि अगर आप चाहें तो शाम का समय भी फूड सर्विस के लिए चुन सकते हैं।

कैबिनेट में देश की छठी सेमी कंडक्टर यूनिट को मंजूरी

● यूपी के जेवर में लगेगा प्लांट, हर महीने 3.6 करोड़ चिप बनेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास में हुई कैबिनेट बैठक में देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी दे दी गई है। यह यूनिट 3706 करोड़ रुपए में उत्तर प्रदेश के जेवर में लगाई जाएगी। एचसीएल और फॉक्सकॉन मिलकर इस यूनिट को बनाएंगे। प्लांट में मोबाइल फोन, लैपटॉप, ऑटोमाबाइल्स, पर्सनल कम्प्यूटर, और दूसरे डिस्प्ले डिवाइसेज के लिए डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स बनेंगे। हर महीने 3.6 करोड़ चिप बनेंगी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2022 में लॉन्च किया गया था। इसके तहत अब तक 6 प्रोजेक्ट्स अप्रूव किए गए हैं। निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। 270 शैक्षणिक संस्थानों और 70 स्टार्टअप्स के छात्र लेटेस्ट टूल्स के जरिए सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी सीख रहे हैं। 30 मई को हुई थी पिछली कैबिनेट बैठक इससे पहले 30 अप्रैल को हुई कैबिनेट मीटिंग में जातीय जनगणना का फैसला हुआ था। इसे मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा। जाति जनगणना के ऐलान के बाद राहुल गांधी ने कहा था-आखिरकार सरकार ने जाति जनगणना की बात कह दी है। हम इसे सपोर्ट करते हैं, लेकिन सरकार को इसकी समय सीमा बतानी होगी। हमने तेलंगाना में कास्ट सेंसस कराया, इसे मॉडल बनाया जा सकता है। हमें कास्ट सेंसस से आगे जाना है।

महाराष्ट्र के वाशिम में हिंसा, दो गुटों में जमकर पथराव

तोड़फोड़ और तनाव के बाद भारी पुलिस फोर्स तैनात

वाशिम (एजेंसी)। महाराष्ट्र के वाशिम शहर में दो गुटों के बीच पथराव हुआ है, जिसमें कई लोग घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि शहर के पाटणी चौक क्षेत्र में देर रात दो गुटों के बीच विवाद हुआ था, बात इतनी बिगड़ गई कि दोनों पक्षों के बीच पथराव की नौबत आ गई। पाटणी चौक में हुई घटना का असर बागवानपुरा, डंडे चौक और गणेशपेठ जैसे इलाकों में भी देखने को मिला। तनाव को देखते हुए इलाके में भारी फोर्स तैनात कर दी गई है। देर रात करीब 11 बजे कुछ असामाजिक तत्वों ने घरों और वाहनों पर पथराव कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात पर काबू पाया। पुलिस अधीक्षक अनुज तारे ने इलाके का जायजा लिया। साथ ही प्रशासन ने नागरिकों से किसी भी तरह अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है। फिलहाल पूरे क्षेत्र में पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। साथ ही पुलिस ने पथराव में घायल हुए लोगों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। शहर में इस समय शांति का माहौल है, लेकिन पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

गलती से सीमापार जाने पर पकड़ा गया बीएसएफ जवान हुआ रिहा

● डीजीएमओ लेवल की बातचीत के बाद पाकिस्तान ने छोड़ा, 20 दिन बाद आया बाहर

अमृतसर (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के बीएसएफ के जवान पूर्णम कुमार शॉ को छोड़ दिया है। कॉन्स्टेबल पूर्णम बुधवार सुबह साढ़े 10 बजे अटारी-वाघा बॉर्डर से भारत लौट आए। डीजीएमओ लेवल पर बातचीत के बाद उन्हें 20 दिनों के बाद छोड़ा गया है। उन्हें मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया है। पूछताछ के बाद उन्हें घर जाने दिया जाएगा। बीएसएफ ने प्रेस रिलीज के जरिए कॉन्स्टेबल पूर्णम के भारत लौटने की जानकारी दी है। इसमें बताया कि पूर्णम शॉ 23 अप्रैल को फिरोजपुर सेक्टर में ऑपरेशनल ड्यूटी के दौरान गलती से पाकिस्तान चले गए थे। इसके बाद उन्हें पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया था। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले के अगले दिन पाकिस्तान रेंजर्स ने बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ की दो फोटो जारी की थीं। पहली फोटो में पूर्णम पेड़ के नीचे खड़े थे। उनकी राइफल, पानी की बोतल, बैग जमीन पर पड़ा था। दूसरी फोटो में जवान की आंखों पर पट्टी बंधी थी। जवान शॉ मूल रूप से पश्चिम बंगाल में हुगली के रिसड़ा गांव के रहने वाले हैं।

पत्नी बोली मोदी है तो मुमकिन है

रजनी ने कहा- मोदी जी (पीएम नरेंद्र मोदी) हैं तो सब मुमकिन है। 22 अप्रैल को पहलगाम में अटैक हुआ तो उन्होंने 15-16 दिन के भीतर ही ऑपरेशन सिंदूर चलाकर उन सभी का बदला लिया, जिनके सुहाग आतंकियों ने उजाड़े। उसके 3-4 दिन बाद ही उन्होंने मेरा सुहाग वापस कर दिया। उन्हें मैं धन्यवाद देना चाहती हूं। जवान की पत्नी ने कहा- 3-4 दिन पहले मेरी सीएम (ममता बनर्जी) से भी बात हुई थी। उन्होंने कहा था कि आपके पति जल्द घर आ जाएंगे, क्योंकि वह भी बीएसएफ के अधिकारियों से लगातार बात कर रही थीं। सभी का सपोर्ट रहा। पूरा देश मेरे लिए खड़ा था। मैं सभी का धन्यवाद करती हूं।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के हमेशा साथ है हमारी सरकार:सीएम

● मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में गोटेगांव में हुआ 218 जोड़ों का सामूहिक विवाह ● मुख्यमंत्री ने वर्चुअली सहभागिता कर वर-वधुओं को दिया आशीर्वाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विवाह हमारी संस्कृति की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। यह हमारे समाज और परिवार का आधार है। सामूहिक विवाह सम्मेलन गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए संबल और सहयोग के प्रतीक हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के साथ हमारी सरकार दोस्त बनकर हमेशा साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को नरसिंहपुर जिले के नई कृषि उपज मंडी प्रांगण, गोटेगांव में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में वर्चुअली सहभागिता कर संबोधित कर रहे थे। सामूहिक विवाह सम्मेलन में कुल 218 जोड़े (216 कन्याओं का विवाह और 02 बेटियों का निकाह) परिणय सूत्र में बंधे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार माताओं, बहनों और बेटियों के हितों की रक्षा के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि बहन, बेटियों के लिए हमने अपने सालाना बजट में 27 हजार 147 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। प्रदेश में ग्रामसभा से लेकर विधानसभा तक महिलाओं की प्रभावी उपस्थिति है। शासकीय नौकरियों में हमने महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत तक आरक्षण का प्रावधान किया है। प्रदेश में 40 प्रतिशत से अधिक स्टार्ट-अप्स का संचालन महिलाएं कर रही हैं। बीते वर्षों में 5 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से करीब 62 लाख ग्रामीण बहनें आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। यह हमारे लिये गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी नवविवाहित जोड़ों को दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं व आशीर्वाद देते हुए कहा कि 16 संस्कारों में सबसे सुंदर संस्कार पाणिग्रहण संस्कार है। विवाह 2 परिवारों का और 2 संस्कारों का भी मिलन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उद्देश्य न केवल बेटियों को सम्मानपूर्वक विदा करना है, बल्कि उनके जीवन की नई शुरुआत को आर्थिक संबल सशक्त आधार देना भी है।

26 मई को नरसिंहपुर में लगेगा विशाल कृषि मेला- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित जनसमूह को जानकारी दी कि आगामी 26, 27 एवं 28 मई को जिला मुख्यालय में नरसिंहपुर में विशाल कृषि मेला आयोजित किया जाएगा। 26 मई को वे स्वयं नरसिंहपुर जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कृषि मेले में कृषि आधारित उद्योगों के बारे में जानकारी के अलावा दुग्ध उत्पादन, मत्स्य उत्पादन, शाक-सब्जी उत्पादन, श्रीअन्न उत्पादन, उद्यानिकी, बागवानी, उन्नति किस्म के बीज, खाद, उर्वरक की जानकारी सहित उन्नत कृषि उपकरणों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने नरसिंहपुर जिले के सभी किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे इस त्रि-दिवसीय विशाल कृषि मेले में आकर कृषि की नई तकनीकों और इस क्षेत्र में हो रहे नवाचारों की जानकारी लें और इन्हें अपनाकर अपनी फसल का उत्पादन बढ़ाएं।

सीएम ने बीईएमएल के 2100वें मेट्रो कोच को दिखाई हरी झंडी

बेंगलुरु पहुंचे सीएम डॉ मोहन यादव, इन्वेस्टर्स से होगा वन-टू-वन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को बेंगलुरु में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) के 2100वें मेट्रो कोच को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बीईएमएल की कार्यशाला का भ्रमण कर निर्माण प्रक्रियाओं की जानकारी भी ली। सीएम यादव की मौजूदगी में प्रदेश के अफसर बीईएमएल को आवंटन पत्र सौंपेंगे। इस आवंटन पत्र में बीईएमएल को 150 एकड़ जमीन रायसेन जिले के गौहरगंज तहसील में दिए जाने की अनुमति रहेगी। इस तहसील के उमरिया गांव में बीईएमएल वंदे भारत और मेट्रो के कोच बनाने के लिए यूनिट लगा सकेगा। मुख्यमंत्री यादव ने कहा हमारी सरकार युवाओं, महिलाओं, गरीबों और किसानों के लिए रोजगारोन्मुखी कार्यों के जरिए मध्य प्रदेश को समृद्ध बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। खासकर उद्योग और व्यापार से जुड़े मध्य प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में हम काम कर रहे हैं। भोपाल के पास गौहरगंज में वंदे भारत रेलवे के वैगन बनेंगे। इससे करीब 23 लाख लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

2100 वें कोच को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना- बीईएमएल को बेंगलुरु में आवंटन पत्र सौंपने के साथ सीएम का बीईएमएल संस्थान का विजिट का भी कार्यक्रम है। सीएम मोहन ने बीईएमएल के संस्थान में पहुंचने के बाद 2100 वें कोच को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यहां उन्होंने कोच के भीतर पहुंचकर स्थानीय कर्मचारियों का अभिवादन किया। इसके बाद बीईएमएल के सीएमडी शांतनु और अफसरों के साथ वहां की यूनिट का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इस दौरान कहा कि आज मैंने बेंगलुरु में बीईएमएल का निरीक्षण किया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में रेलवे में अद्भुत काम हुआ है और रेलवे के लिए हमारी अलग-अलग कंपनियों ने जो काम किया है ये मेड इन इंडिया का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण है। इन सबसे भारत आगे बढ़ता है। बीईएमएल मध्यप्रदेश के लिए भी रेलवे वैगन का कारखाना बनाने जा रहा है। मैं अपनी ओर सभी अधिकारियों को बधाई देता हूं।

चीन को रास नहीं आया भारत पाकिस्तान का सीजफायर

● अमेरिका की एंट्री से धरी की धरी रह गई ड्रैगन की प्लानिंग

बीजिंग (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम को हुए कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन इसे लेकर दावों और अटकलों का दौर खत्म नहीं हो रहा है। सभी की कोशिश इस बात को जानने में है कि 10 मई को युद्धविराम की घोषणा के दिन वास्तव में क्या हुआ था। सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर युद्धविराम की घोषणा की थी। ट्रंप ने इस युद्धविराम का क्रेडिट अपने प्रशासन को दिया, तो पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी उनके पीछे खड़े हो गए। शरीफ ने युद्धविराम के लिए ट्रंप को शुक्रिया कह दिया। लेकिन ऐसा लगता है कि भारत के साथ युद्धविराम को लेकर पाकिस्तान का दोस्त चीन उससे नाराज हो गया है। युद्धविराम को लेकर कोई जो भी दावा करे, भारत ने इस मामले में शुरू से ही साफ-साफ बता दिया कि यह दोनों देशों के बीच डीजीएमओ स्तर की बातचीत के बाद हुआ था। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने 10 मई को इसकी जानकारी देते हुए बताया था कि पाकिस्तान के डीजीएमओ से फोन आया था। मंगलवार को भारतीय विदेश मंत्रालय ने डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार धमकी के दावे की भी हवा निकाल दी।

● **अमेरिकी की एंट्री से चिढ़ा चीन-** इन सबसे अलग पाकिस्तान के पक्के दोस्त चीन को इस पूरे मामले में अमेरिका का घुस जाना रास नहीं आया है। रिपोर्ट के अनुसार, युद्धविराम को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा और अमेरिका के क्रेडिट लेने से चीन नाराज हो गया। दरअसल, चीन इस पूरे मामले में अगुवा बनकर खुद को वैश्विक शांति के मध्यस्थ के रूप में पेश करना चाहता था, लेकिन अमेरिका की एंट्री से उसकी योजना धरी रह गई। रक्षा हलकों के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन इस बात से नाराज था कि संकट के समय में उसके दोस्त इस्लामाबाद ने बीजिंग को संपर्क करने के बजाय वॉशिंगटन से संपर्क किया।